DB14-2-1-HI

संसार आपके विश्वास के बारे में जो सवाल पूछेगा - प्रोग्राम 1

आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, गिनती बताती है कि लगभग 70 प्रतिशत जवान लोग, जो हाय स्कुल में नियमित रूप में चर्च जाते थे, वो दूर होते हैं, और मसीही विश्वास से हट जाते हैं, जब वो संसार के कॉलेज या यूनिवर्सिटी में जाते हैं/ वो उस विश्वास को क्यों छोड़ देते हैं जिस में वो बड़े थे/ जैसे ही वो यूनिवर्सिटी में जाते हैं तो तुरंत ही संडे स्कुल को भूल जाते हैं, संसार के प्रोफेसर उनके विश्वास को चुनौती देते हैं कि कैसे मसीहियत शुरू हुई थी, क्या सच में यीशु था, क्या हम विश्वास कर सकते हैं कि वो मुर्दों में से जी उठा, हमें बाइबल कहाँ से मिली? और हमें वहां जो जानकारी मिलती है, क्या हम उस पर सच में विश्वास कर सकते हैं?

32 प्रतिशत विद्यार्थियों ने कहा, उन्होंने अपना विश्वास पीछे छोड़ दिया बुद्धिमत्ता से दोष निकलने या संदेह के कारण, उनका विश्वास उनके लिए अब कोई अर्थ नही रख सकता था/ या उन्हें बहुत से सवालों का जवाब नही मिला/

किशोर अवस्था के 63 प्रतिशत विद्यार्थियों ने कहा, कि वो विश्वास नही करते हैं कि यीशु एक सच्चे परमेश्वर का पुत्र है/

51 प्रतिशत लोगों ने कहा, कि वो विश्वास नही करते हैं कि यीशु मुर्दों में से जी उठा है/

68 प्रतिशत लोगों ने कहा, वो विश्वास नही करते हैं कि पवित्र आत्मा सच में एक व्यक्ति है/

और केवल 33 प्रतिशत ने कहा, कि चर्च उनके जीवन में भूमिका निभाएगा जब वो घर छोड़कर जाएगे/

मैं विश्वास करता हूँ कि ये फेर सकते हैं/ मैं अपने पहले दिन को यद् करता हूँ जब मैं संसार की यूनिवर्सिटी में गया था/ जहाँ मैं जो भी विश्वास करता था उसे चुनौती मिली, इसलिए हमारी इस नई टेलीविजन सीरिज का नाम है, आपके बेटे और बेटी को यूनिवर्सिटी में जाने से पहले क्या जानना जरूरी है/ कि वो विश्वास से दूर न चले जाए/ और ये सीरिज केवल विद्यार्थियों के लिए नही है/ लेकिन हर मसीही व्यस्क के लिए है जो अविश्वासी लोगों के साथ काम करते हैं/

आज मेरे मेहमान हैं, जो इस चर्चा में हमारी अगुवाई करेगे, ये हैं डॉक्टर डेरेल बॉक/ हमारे संसार में यीशु के बारे में मुख्य विद्वान्/ और संसार के सबसे बड़े अधिकारी लूका के सुसमाचार और प्रेरितों के काम पर/ ये सीनियर रिसर्च प्रोफेसर हैं, नए नियम के अध्यन पर, डेलस थियोलोजिक्ल सेमनरी में, इन्होने 30 से भी ज्यादा किताबें लिखी हैं/ और ये आए हैं, ए बी सी, सी एन एन, फॉक्स और डिस्कवरी चैनल पर/ मैं आपको न्योता देता हूँ कि हमारे साथ जुड़ जाए, इस विशेष प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

***

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः प्रोग्राम में स्वागत है, जब आप अपने बेटे या बेटी को यूनिवर्सिटी में भेजते हैं, ठीक है, आप क्या सोचते हैं कि वो प्रोफेसर उन्हें यीशु के बारे में बता रहे हैं, या प्रभु या बाइबल के बारे में? अक्सर आप सोचते हैं कि ये दोष निकालनेवाला दृष्टिकोण होगा/ लेकिन ये बात आप जानेगे कि बहुत से माता-पिता कहते हैं, मैंने अपने बच्चे को कॉलेज में भेजा और वो विश्वास खो बैठा है/ क्योंकि वो मसीही विश्वास के बारे में बुनियादी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार नही थे/ वो विवाद करना नही जानते थे, हम ये प्रोग्राम दिखा रहे हैं, जो उन्हें तैयार करता है, आपको तैयार करता है, जो कहा गया है उसके लिए, और हम बहुत बहुत सरल बात लेते हैं, और वो है कि शुरू के विश्वासियों ने यीशु के बारे में सच में क्या विश्वास किया? और डेरेल आप बताइए कि दोष निकालनेवाले आप दोष देखनेवाले प्रोफेसर हैं, आप इसे आनेवाले विद्यार्थियों को कैसे देगे, शुरू के विश्वासियों के बारे में, वो सच में नही जानते हैं, उन्हें ये समझना होता है, इसे बताइए?

डॉक्टर डेरेल बॉकः खैर सामान्य रूप में वो यही सुनेगे कि वो नए नियम में जो देखते हैं उसमे से कुछ तो बाद में बनाया गया है और ये यीशु से संबंधित नही है/ किसी न किसी तरह से/ कोई कहेगा यीशु केवल महान भविष्यवक्ता था, तो कोई कहेगा कि यीशु अद्‌भुत शिक्षक था/ कोई कहेगा कि यीशु अपोक्लिपटीक व्यक्ति था, जो जगत के अंत को देख रहे है, और कुछ तो कहेगे कि उसने मसीहा होने का दावा भी किया था/ और वो जो कर रहा था उसमे कुछ अधिकार का था, परमेश्वर की योजना में, लेकिन ये कहना काफी नही है कि वो परमेश्वर का पुत्र था, या खुद को परमेश्वर के पुत्र के रूप में दिखाया, बहुत से क्लास में ये नही बताया जाता है/

और उनकी बहस यही है कि हम नए नियम में जो थियोलोजी देखते हैं, वो तो यीशु के इस अधिकार पर ज़ोर देने से है/ ये निराशा कि यीशु मर गया था/ और जो चर्च में आते हैं वो कहते हैं, अब हम क्या करे, हम अपना मसीहा खो बैठे हैं, अपना हीरो खो बैठे हैं, याने पुनरुत्थान पुरे थियोलोजिक्ल विचार को जीवित करता है/ और नया मार्ग बताता है और समय के साथ आगे बढ़ता है, यीशु को अपनी जगह पर उठाता है, जो पहले नही था, और हम नए नियम में यही देखते हैं/

ये तो सच में एक सिधान्त के साथ जुड़ जाता है जिसे हम टेलीफोन गेम कहते हैं, सच में मुझे ये नाम पसंद है जो ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में उपयोग किया जाता है / वो इसे कहते हैं, च्यानिज़ विसपर्, और विचार ये है कि हम लाइन में शुरू में एक कहानी बताते हैं, और वो लोगों से लोगों तक दी जाती है/ जो कहानी हमें अंत में मिलती है वो वही कहानी नही है जिससे शुरू किया था/ वो मानो एम्ब्लीकल कॉर्ड काट रहे हैं/ इस बिच जो हमारे पास बाइबल में है, और हमने यीशु के साथ जहाँ से शुरू किया है/ कोई सम्पर्क नही नही है/ कहा जाए तो दोनों आपस में नही मिलते हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, ये तो मानो पार्टी में जाना और किसी एक के काम ने कुछ फुसफुसाना है और वो पुरे घेरे में उसे बताते हैं, फिर जब हम सुनते हैं कि वो अलग है, हम कह रहे हैं कि यीशु ने यहाँ कहा, इधर शुरू में, और जब वो दूसरों को बताते हैं, कुछ साल के बाद,

शायद 100 साल, 200 साल, और फिर जव वो अंत में लिखा गया, तो ये सच था कि पूरी तरह से अलग था, तो यीशु की ये तस्वीर इससे नही मिलती है/

डॉक्टर डेरेल बॉकः याने ये सच्चाई कि बाइबल कुछ बातें कहती हैं, तो जरूरी नही कि उसने जो कहा है वो सत्य ही होगा/ कम से कम क्लास में इस तरह से बताया जाता है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, क्योंकि वो कहते हैं, ये टेलीफोन लाइन का उत्पादन है और अंतिम परिणाम तो मन से बनाया होगा है, तो ये मनघडत बनाना है/

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी, और ये चलाखी से होता है/ ये तो शायद ऐसे हो सकता है, कि जो कहा गया है वो यीशु ने किए कामों के संबंध के बारे में हो, तो ये जरूरी नही कि हवा में से आया हो/ और कई बार देखा गया कि ये उस समय के विचारों की बात आती है/ लेकिन बात तो ये है कि जो हम अंत में पाते हैं और जो हम पढ़ते हैं, ये तो सच में पहली सदी की थियोलोजी दिखाती है, उसका विरोध किया गया, जिसका सामना यीशु और प्रेरितों ने शुरू में किया था/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, मुझे याद है, स्कुल के समय, जानते हैं 30-40 साल पहले, जब लोग सच में कहते थे, विद्वान् कहते थे कि देखिए ये तो 200 साल बाद आया, ठीक है, चलिए पीछे चलते हैं, और इस दरार के बारे में कहते हैं, क्योंकि ये दरार बिच में थी/

बहुत से लोग कहेगे, नए नियम की किताबें फिर से न्यूज़ स्टैंड पर आने लगी, यीशु सन 30 में मरा, पौलुस की पत्रियाँ सन 45, 50, 60 की हैं और वो 65-66 में पतरस के साथ मर गया/ और युहन्ना 95 में मर गया, तो सारे प्रेरित उस समय के दौरान मर गए, और यदि ये लेख समान्य रूप में उनकी शिक्षा से आती है, किसी न किसी तरह से तो सच तो ये है कि ये जानकारी हमारे पास 95 में इस तरह से आई/

डॉक्टर डेरेल बॉकः सबसे सटीक तारिक जो हम बता सकते हैं या कहिए कम से कम 20 साल की दरार थी/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः याने यीशु और इन लेखों के बिच में 20 साल के समय बिता/ और देखिए उन्हें कहना होगा कि बहुत कुछ खोज की गई थी, यहाँ जल्द ही, और हम इसे देखते हैं, कि यीशु ने 12 चेलों को चुना, और हम ये भी जानते हैं कि लोगों उन्हें स्वीकार किया, हम जानते हैं कि उन्होंने पेंतिकोस्त में प्रचार किया याने फसह के 50 दिन बाद/ और 3000 लोगों ने उद्धार पाया, और वो पुरे राज्य में 15 अलग समूहों के पास गए/

डॉक्टर डेरेल बॉकः देखिए, अब आपने जो भी कहा चर्चा करने के लिए टेबल पर हो सकता है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, और मैं यही कह रहा हूँ, कि हमें इन कुछ सिद्धान्त के सारांश में ले जाए जिसे हम वचनों में देखते हैं, और इसे निश्चित करते हैं, हम केवल ये नही कह रहे हैं ठीक है, हम विश्वास करते हैं कि बाइबल प्रेरणा से लिखा वचन है इसलिए इस पर विश्वास कीजिए/

हम तो बस कह रहे हैं, कि हम आपको दिखाएगे, कि ये ऐतिहासिक पत्र और किताबें ये सब तो शुरू के ऐतिहासिक स्रोत थे/ जो शुरू के विश्वासियों के साथ में हो रहे थी/

डॉक्टर डेरेल बॉकः और ये ऐसी बात है जिसके बारे में सब लोग सहमत होते हैं, दूसरे शब्दों में जो साहित्य हमारे पास नए नियम में है, वो शुरू के स्रोत हैं, अब कुछ लोग कहेगे कि वो उन स्रोतों में से कुछ हैं, दूसरे लोग थोमा का सुसमाचार या ऐसे कुछ लाने की कोशीश करेगे, उसके साथ ही वो कहेगे, कि ये इस समय से ही है, उस पर सच में विवाद होता है/ लेकिन बात तो ये है, ये दरार थी, पौलुस की शुरू की पत्रियों से 20 साल पहले, युहन्ना के सुसमाचार तक जो 90 के आस पास लिखा गया, तो अब ये 60 साल की दूरी दिखती है/ सुसमाचार में ही देखिए, सन 60 से 90 के बिच, लोग कहते हैं 80 आयर 90 के बिच, याने हम कह रहें हैं कि 30 से 50 या 60 साल, यीशु के बारे में सुसमाचार से/ और बहस ये है कि इस दरार को देखिए, देखिए यहाँ क्या हो सकता था, और ये सलाह दी जाती है कि ये स्रोत तो वास्तव में पीछे जाते हैं, उन अनुभवों के बारे में सो घटना के तुरंत बाद पाए थे/ यहाँ जो थियोलोजी बताई गई है उसके शुरू के स्रोतों के बारे में जो विवरण दिया गया है उसे न भूले/

क्योंकि पौलुस का बदलाव ऐसे ही नही हो सकता था, उन बातों के बारे में वो बताता है, शुरू से ही मसीह के बारे में मजबूती से बताता है/ याने ये घटनाओं के बिलकुल पास में था, और हमारा सारांश इसे सिखाता है/ हमारे पास सारांश है पहला कुरिन्थियों 15 जैसे आपने कहा था, और सारांश है रोमियो 1 से, वचन 1 से 4 तक/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी/ चलिए इस में से कुछ देखते हैं, मैं यही कहना चाहता हूँ कि ये शुरू के स्रोत थे, चाहे जो भी हो दोष निकालनेवाले या विश्वासी, सबूतों के बारे में हम इतने पीछे जा सकते हैं/

डॉक्टर डेरेल बॉकः बिलकुल सही, यदि आप जानना चाहते हैं कि लोग क्या कह रहे और कर रहे थे, तो हमारे पास ये सबूत हैं/ दोष निकालनेवाले आकर ये कहेगे, दूसरी बातें भी हो रही थी, इस समय लोग दूसरी बातों पर विश्वास कर रहे थे/ लेकिन वो इसे दिखाने के लिए कोई सबूत नही दे सकते हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, और हम यही करना चाहते हैं कि इन जानकारी और सबूतों का उपयोग करे, और कहे, उस समय में, याने इस 20 साल के छोटे समय के बाद, शुरू के विश्वासियों ने खुद के बारे में क्या कहा? ठीक है, मतलब, जानते हैं, 20 साल की दरार रही है, इन 20 साल के दौरान हम कहाँ थे?

डॉक्टर डेरेल बॉकः सबसे करीबी बात जो हम देख सकते हैं कि चर्च में क्या हो रहा है, और चर्च में क्या था, और इन डाक्यूमेंट्स में हम जिन आवाजों को देखते हैं, तो हम इन बातों में और कही नही जा सकते हैं, केवल इस डाक्यूमेंट्स के बजाए/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः ठीक है, हम इसे टेवल में रखेगे कि आप इसे समझा सके/ 1 कुरिन्थियों 8, फिर बताऊ की 1 कुरिन्थियों सन 55 में लिखा गया था/याने हम यीशु के जाने के 25 साल बाद की बात कर रहे हैं/ और पौलुस कुरिन्थियों को लिखता है/ हम जानते हैं कि मूर्ति जगत में कोई वस्तु नही है, और एक को छोड़ और कोई परमेश्वर नही है/ यद्यपि आकाश में और पृथ्वी पर बहुत से ईश्वर कहलाते हैं, जैसे कि बहुत से ईश्वर और बहुत से प्रभु हैं, तौभी हमारे लिए तो एक ही परमेश्वर है, अर्थात पिता/ जिसकी और से सब वस्तुएं हैं और हम उसी के लिए हैं, और एक ही प्रभु है, अर्थात यीशु मसीह, जिसके द्वारा सब वस्तुए हुई और हम भी उसी के द्वारा हैं/ अब दोष निकालनेवाले कईबार इसे मोड़ना चाहते हैं/ और इस में ईश्वरों को रखना चाहते हैं, यहाँ क्या हो रहा है?

डॉक्टर डेरेल बॉकः देखिए क्या हो रहा है, हम यहाँ पॉलीथीइस्टिक संसार में हैं, ग्रिसो रोमन परंपरा में याने इस परंपरा में बहुत से ईश्वरों की उपासना होती थी/ लेकिन इसके परे हमारे पास, एक और बात थी जो बहुत बहुत महत्वपूर्ण थी और वो बात है कि यीशु और परमेश्वर एक साथ बिनेटेरियन वाक्य में रखे, जिसमे दोनों को सृष्टिकर्ता के रूप में बताया गया गया है/ यीशु कोई सृष्टि नही है, स्वर्गदूत सृष्टि हैं, याने यदि कोई कहने की कोशीश करता हैं कि ओ यीशु को उठाया गया, तो वो रैंक में बढ़ते गया, उसने स्वर्गदूत के रूप में शुरू किया, और अंत में परमेश्वर के दाहिने हाथ बैठ गया/ अब ये काम नही कर सकता है, शुरू के कलीसिया बहुत शुरू से अंगीकार कर रही थी, यीशु सृष्टिकर्ता है, वो आलौकिक क्रिया का भाग है जो हो रही थी, हाँ वो कोई सृष्टि नही है, वो हमेशा बना है, सृष्टि के समय से वो वहां था, और वो बुद्धि से भरा था/ और ये शुरू के सिद्धात का सारांश है, जो दिखाता है कि यीशु का अस्तित्व बहुत शुरू से ही था/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, हम ब्रेक लेगे और वापस आने पर चर्चा जरी रखेगे, ये तो इस का भाग है जिसे मुख्य थिओलोजी कहते हैं, ये सामान्य विश्वास है जो सब विश्वासियों में होता है/ इसे नए नियम के सब 27 किताबों में पाते हैं, ये मुख्य विश्वास तो वहां पर है/ वो तो शुरू से थे/ हम चर्चा करेगे, कि यीशु परमेश्वर और मनुष्य दोनों था, बहुत जल्दी है, ठीक है, तो बने रहे वापस आपने पर चर्चा करेगे/

***

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः ठीक है, हम लौट आए हैं, हम डेरेल बॉक से चर्चा कर रहे हैं, और हम सवाल पूछ रहे हैं, कि हम कैसे जानेगे कि शुरू के विश्वासियों ने जो यीशु के बाद थे, वो जो कह रहा था उस पर विश्वास किया, उनके पास क्या था? हम कितने पीछे जा सकते हैं? और हम कुछ साधन देख रहे हैं, जो कि शुरू के ऐतिहासिक साहित्य हैं/ जो हमें बताते हैं कि उन विश्वासियों ने क्या विश्वास किया, और कुछ लोग कहना चाहते हैं, उन्होंने ये पूरा विचार खोजा कि मसीह परमेश्वर है, और इस तरह की बातें, खैर यदि आप सोचे कि ये हमारे पास शुरू की जानकारी है, और हम देखेगे रोमियो

अध्याय 1 वचन 1 से 6, ये तो सन 57 में लिखा गया, यीशु सन 30 में मरा, याने इस घटना के 27 साल के बाद, ठीक है, ये कहता है कि पौलुस की ओर से जो यीशु मसीह का दास है और प्रेरित होने के लिए बुलाया गया और परमेश्वर के उस सुसमाचार के लिए अलग किया गया है/ जिसकी उसने पहले ही से अपने भविष्यवक्ताओं के द्वारा पवित्रशास्त्र में, सुनिए अपने पुत्र हमारे प्रभु यीशु मसीह के विषय में प्रतिज्ञा की थी, वः शरीर के भाव से तो दाऊद के वंश से उत्पन्न हुआ, और पवित्रता की आत्मा के भाव से मरे हुओं में से जी उठने के कारण सामर्थ के साथ परमेश्वर का पुत्र ठहरा है/ डेरेल इसके बारे में बताईये/

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी ये सिद्धान्त का सारांश है, पहला कुरिन्थियों 15 के जैसे, तीन सबूतों के लेअर में से एक है, ये सब चर्च पर प्रकट हुए थे/ इन में से कुछ सिद्धान्त का सारांश है, तो कुछ गीत और भजन हैं/ और तीसरा विभाग तो विधियाँ हैं, जैसे प्रभु भोज और बप्तिस्मा हैं/ ये सब मुख्य थियोलोजी बताते हैं, वो तो वहां बहुत ही शुरू के दिनों से है, और ये टेक्स्ट में ये महत्वपूर्ण है, कि यीशु मनुष्य के स्थर पर दाऊद के वंश से है, हम ने ये वचन पढ़ा है कि घोषित किया, ये शब्द है होरायजन उसे परमेश्वर के पुत्र के रूप में चिन्हांकित किया, प्रकट किया, दिखाया गया कि वो परमेश्वर का पुत्र है, जी उठने के द्वारा, क्योकि पुनरुत्थान तो परमेश्वर ने दिखाया कि यीशु कौन था, और उसके दावे क्या थे/ बिलकुल/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, कह सकते हैं कि उसे उस समय स्वीकार किया गया, इस शब्द का उपयोग नही किया गया, ये तो अलग है कि उसे पहचाना गया/

डॉक्टर डेरेल बॉकः बिलकुल सही कहा, जैसे क्षितिज आकाश और पृथ्वी को अलग करता है, तो पुनरुत्थान अलग करता है कि यीशु कौन है, ये तो मानो महामार्ग का बोर्ड कहता है कि यीशु यही है/ जरा देखो कि इसका क्या अर्थ है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, ये बतानेवाला है याने पुनरुत्थान कुछ बताता है, और यदि कोई कहे ठीक है जानते हैं, उन्होंने उसे 20 साल में मनघडत बनाया/

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी, ये सिद्धान्त का सारांश है जो शुरू के समय में जाता है, और फिर से हम पौलुस के अनुभव में आते हैं, पौलुस का अनुभव सन 30 में हुई इन घटनाओं के कुछ ही समय बाद आता है/ वो दमिश्क के मार्ग पर यीशु को देखता है और उसकी थिओलोजी बदल जाती है, क्योंकि उसी यीशु का प्रचार हुआ जिसे परमेश्वर के दाहिने हाथ देखा गया है/ ये इसलिए क्यों कि प्रेरित घोषित कर रहे थे कि यीशु जीवित है, कब्र खाली है, पुनरुत्थान हुआ है/ और इसलिए पौलुस का संदेश उस समय के प्रेरितों के संदेश से मिलता है/ और ये दरार जिसके बारे में कहा है, जो लगभग 20 से 60 साल के बिच की थी वो अचानक बंद हो जाती है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, हाँ आप लोगों को गीत पसंद हैं, ठीक है/ शुरू के विश्वासियों को गीत पसंद है, वचन के पहले से ही/ ठीक है, उन्ही गीतों में से कुछ वचन हो गए/ चलिए एक देखते हैं, ये है फिलिप्पियो अध्याय 2, और ये कहता है, जो परमेश्वर के स्वरूप में होकर भी,

उसे अपने वश में रखने की वस्तु नही समझा वरन अपने आप को ऐसा शून्य कर दिया, और दास का स्वरूप धारण किया, और मनुष्य की समानता में हो गया/ और मनुष्य के रूप में प्रगट होकर अपने आपको दीन किया और यहाँ तक आज्ञाकारी रहा कि मृत्यु हाँ क्रूस की मृत्यु भी सह ली/ इस कारण परमेश्वर ने उसको अति महान भी किया, और उसको वह नाम दिया जो सब नामों में श्रेष्ठ है/ कि जो स्वर्ग में और पृथ्वी पर और पृथ्वी के निचे हैं वे सब यीशु के नाम पर घुटना टेके/ और परमेश्वर पिता की महिमा के लिए, हर जीभ अंगीकार कर ले कि यीशु मसीह ही प्रभु है/ ये गीत था/

डॉक्टर डेरेल बॉकः ये गीत था/ कम से कम हम सोचते है कि ये गीत है, यदि ये गीत नही है तो सिद्धान्त का सारांश है/ और इस वचन की बात बहुत महत्व है, इस वचन के भाग का अंतिम भाग, कि हर घुटना टिकेगा और हर जीभ अंगीकार करेगी, ये यशायाह 45 की प्रतिध्वनी है/ और ये इस तरह से हुआ कि यशायाह 45 तो एक मजबूत वचन है, मोनोथियिज्म के लिए/ जो हम हीब्रू वचन में पाते हैं/ शुरू के चर्च के पास वचन थे, उनके पास हीब्रू वचन थे, उनके पास नया नियम नही था/ तो वो किस तरह से थियोलोजी को सीखते और इसके बार एमे बताते, इसके पहले कि नया नियम काम करने लगे/ हम सच में इसी सवाल का जवाब दे रहे हैं/

और ये बात नही कि इस दरार के समय में लोगों में इसे अपने मन से बना लिया/ शुरू की थियोलोजी थी जिस पर वो सोच रहे थे/ और वो बहुत शुरू से ही हैं, और ये गीत स्तुति के गीत हैं, वो सभा के बिच इस बात को बताने के लिए इसे गाते थे/ तो देखिए क्या हुआ, इस्राएल के परमेश्वर के सामने हर घुटना टिकेगा/ हर जीभ अंगीकार करेगी/ हीब्रू वचन तो यही कह रहे हैं/ वो अब इस तरह से बताए गए हैं कि यीशु अपनी महिमा में इसे बांटता है, अपना स्थान बांटता है, अपना आदर बांटता है/ और इसके परिणाम में हम देखते हैं, ये फिर से एक चकित करनेवाला वाक्य है, कि यीशु को परमेश्वर के साथ रखता है/ इन सारी बातों के बिच जो चर्च सिखा रहा है, गा रहे हैं, और वो अपनी सभाओं में प्रभु की आराधना करते हुआ यही कर रहे थे/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः तो दोष निकालने वाले कहते हैं जानते हैं, ये कैसे बढ़ा, मसीहियत तो नही थी, तीसरी और चौथी सदी तक, उस क्रीड तक, ठीक है/ चलिए मैं कुलुस्सियों से शुरू की बात बताऊं, देखिए इसमें कितनी बड़ी थियोलोजी है/ कुलुस्सियों 1:15 कहता है कि वो, यीशु के बारे में कहता है, वो तो अदृश्य परमेश्वर का प्रतिरूप है, और सारी सृष्टि में पहलौठा है, क्योंकि उसी में सारी क्स्तुओं की सृष्टि हुई, स्बर्ग की हो अथवा पृथ्वी की, देखी या अनदेखी/ क्या सिहांसन, क्या प्रभुताएं, क्या प्रधानताएं, क्या अधिकारी, सारी वस्तुएं उसी के द्वारा और उसके लिए सृजी गई हैं/ और व्ही सब वस्तुओं में प्रथम है और सब वस्तुएं उसी में स्थिर रहती हैं/ अब इसका क्या अर्थ है कि वो पहलौठा है/

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी, इसका बुनियादी है कि वो पहले से है/ वो सीढियों पर उपर है, जो व्यक्ति सीढियों में उपर होता है, वो सृष्टिकर्ता है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः याने ये रैंक है/

डॉक्टर डेरेल बॉकः बिलकुल सही, और हम इसी पर चर्चा कर रहे हैं, तो अब हमारे पास यही है, और ये एक और वचन है, पहला कुरिन्थियों अध्याय 8 में जहाँ यीशु को सृष्टिकर्ता के वर्ग में रखा गया है/ इस वचन के बारे में महत्वपूर्ण बात तो ये है, कईबार दोष निकालनेवाले आकर कह सकते हैं, पौलुस ने कुलुस्सियों नही लिखा, उसने इस पर विश्वास नही किया, हमारे पास पहला कुरिन्थियों 8 है, जहाँ सब लोग स्वीकार करते हैं, कि कि पौलुस ने पहला कुरिन्थियों लिखा है, और हम इसके संबंध को देख रहे हैं, और एक साथ आने को, जो पौलूस ने पहला कुरिन्थियो में कहा वो कुलुस्सियों में भी कहा गया है/ ये एक क कारण है कि हम सोचे कि हम अभी भी पौलुस की थियोलोजी में हैं/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, इन सब वचनों में वो परमेश्वर और मनुष्य दोनों हैं, ठीक है, वो सृष्टिकर्ता है, मतलब, ये अद्‌भुत है/ सबलोग प्रभुभोज के बारे में जानते हैं, प्रभु भोज, ठीक है, शुरू के इतिहास में जाकर देखे कि ये उनके लिए क्या अर्थ रखता था/ चलिए 1 कुरिन्थियो 11 देखे, पौलुस प्रभु भोज के बारे में कहता है, क्योंकि यह बात मुझे प्रभु से पहुंची और मैंने तुम्हें भी पहुंचा दी, कि प्रभु यीशु ने जिस रात वो पकड़वाया गया रोटी ली, और धन्यवाद करके उसे तोड़ी, और कहा, कि यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिए है, मेरे स्मरण में यही किया करो, इसी रीती पर उसने बियारी के पीछे एक कटोरा भी लिया, और कहा यह कटोरा मेरे लहू में नई वाचा है जब भी पीओ, तो मेरे स्मरण के लिए यही किया करो/ क्योंकि जब तक ये रोटी खाते और इस कटोरे से पीते हो, तो प्रभु की मृत्यु को जब तक वह न आए प्रचार करते हो/ यहाँ क्या हो रहा है?

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी, ये दिलचस्प है क्योंकि अवश्य ही ध्यान तो यहाँ यीशु ने अपनी मृत्यु में हमारे बदले में किए काम पर है, ये तो आखरी भोज पर जाता है, यहाँ यीशु इस विधि को निश्चित करता है/ ये दिखाते हुए कि उसका जीवन और उसका समर्पण क्या है/ इस के बारे में बहुत ही दिलचस्प बात तो ये है, हमारे पास यहाँ जो कहा गया था उसके दो वर्शन हैं, मत्ती और मरकुस ने इस तरह कहा कि ये मेरी वाचा का लहू है, नया शब्द यहाँ नही है/ जब कि लूका और लूका और पौलुस इसे नई वाचा कहते हैं/ ये दिखाता है कि कईबार इस में फर्क दिखाया गया है/ लेकिन जान ले कि ये फर्क बड़ी बात नही है/ केवल एक ही वाचा जो स्थापित हो सकती थी, जो यीशु के कहने के समय तक तो नही थी/ वो तो नई वाचा है/ याने यहाँ शब्दों में जो बदलाव आए हैं, ये तो बताया गया था उस बात के बारे में जो होनेवाली थी, उसे संक्षिप्त में कहा/

तो यहाँ उदाहरण है, और ये फर्क कईबार एक दुसरे के विरुद्ध में लाए जाते हैं, और हम देखते हैं कि वो कैसे एक दुसरे के साथ जुड़े है बने हुए हैं, और वो एक दुसरे के विरुद्ध में नही हैं, और दूसरी बात हम यहाँ देख रहे हैं, इन विधियों में हम मुख्य थियोलोजी देखते हैं, जैसे कि बप्तिस्मा, ये दिखाता धोना और फिर जीवन में वापस आना, शुद्ध करने का चित्र, नए जीवन में

को अब वो धोए गए हैं, परमेश्वर का आत्मा मेरे जीवन में आ सकता है/ और अब मैं परमेश्वर के साथ इस योग्यता में चल सकता हूँ जो मुझे उद्धार पाने के बाद दी गई है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः डेरेल ये अद्भुत बात है, दर्शकों के लिए सारांश में बताइए, आपने जो भी कहा उसका क्या महत्व है/ ये उन विद्यार्थियों को कैसे उत्साहित करे, जो इन सबूतों को देख रहे हैं कि शुरू के विश्वासियों ने क्या विश्वास क्या?

डॉक्टर डेरेल बॉकः हम कह रहे हैं कि मुख्य थियोलोजी है, जिनका सारांश दिया है, सारांश में सिद्धान्त के सारांश में, गीत और भजन में, और विधियों में, और वो बातें जिस में चर्च जुड़ा हुआ है/ ये वो काम थे जिसमे हरकोई जुड़ा था, ये कोई अजीब बात नही थी जो अलग रखी गई और फिर उसे बताया गया है, जैसे नोस्टिक विश्वासी कहते हैं, ये ऐसा था जो सबके सामने खुला था, ये शुरू से है, मुख्य थियोलोजी है, ये तो काम करनेवाले नए नियम के पहले से थियोलोजी थी/ ये दिखाता है कि ये थियोलोजी शुरू से है/ और ये मुख्य बातें वहां पर शुरू से ही थी/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः ठीक है, अगले हफ्ते हम आगे देखेगे/ हम एक और सवाल देखेगे, इसके बारे में सोचिए, यीशु इसे देता है, 12 प्रेरितों को, और कोई, कोई भी नया नियम नही था/ कैसे शुरू के विश्वासियों ने यीशु के बाद, ये निष्कर्ष निकाला और ये शिक्षा उन्हें कहां से मिली/ कि पत्र, याने प्रेरितों की पत्रियाँ, एक समान हो सकती हैं, पुराने नियम के वचन के तुल्य हो/ हम ने नए नियम का ये कैनन कैसे बनाया, 27 किताबों का? ये अद्भुत विषय है, आशा है कि अगले हफ्ते आप फिर जुड़ जाएंगे/

द जॉन एन्करबर्ग शो

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

001-423-892-7722

Copyright 2015 ATRI